IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.67
Volume 5, Issue 3, January 2025

औद्योगिक इकाइयों में मानव संसाधन प्रबंधन की चुनौतियों का एक अध्ययन

शोध निर्देशक
डॉ. सतीश कुमार गर्ग
प्राध्यापक वाणिज्य विभाग
शा0 विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मैहर, जिला सतना (म.प्र.)

शोधार्थी
रुचि गुप्ता
एम. कॉम, एम. फिल (वाणिज्य)

शोध सारांश –

मानव संसाधन प्रबंधन भ्त्ड शब्द का उपयोग किसी संगठन के भीतर लोगों के प्रबंधन के लिए तैयार की गई औपचारिक प्रणालियों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। मानव संसाधन प्रबंधक की ज़िम्मेदारियाँ तीन प्रमुख क्षेत्रों में आती हैं, स्टाफ़िंग, कर्मचारी मुआवज़ा और लाभ, और काम को परिभाषित/डिज़ाइन करना। अनिवार्य रूप से, भ्त्ड का उद्देश्य अपने कर्मचारियों की प्रभावशीलता को अनुकूलित करके किसी संगठन की उत्पादकता को अधिकतम करना है। व्यवसाय की दुनिया में लगातार बढ़ते बदलाव के बावजूद, इस जनादेश में किसी भी मौलिक तरीके से बदलाव की संभावना नहीं है। जैसा कि एडवर्ड एल. गुबमैन ने जर्नल ऑफ़ बिज़नेस स्ट्रैटेजी में देखा, मानव संसाधन का मूल मिशन हमेशा प्रतिभा को हासिल करना, विकसित करना और बनाए रखना होगा; कार्यबल को व्यवसाय के साथ जोड़ना; और व्यवसाय में एक उत्कृष्ट योगदानकर्ता बनना। ये तीन चुनौतियाँ कभी नहीं बदलेंगी। मानव संसाधन प्रबंधन विशेष रूप से छोटे व्यवसायों के लिए एक चुनौती हो सकती है, जिनके पास आम तौर पर भरोसा करने के लिए कोई विभाग नहीं होता है। वे एक व्यक्ति तक सीमित हो सकते हैं, या यह ज़िम्मेदारी अभी भी ब्व की हो सकती है। फिर भी, छोटे व्यवसाय मालिकों को चुनौतियों का सामना करने के लिए उन्हें समझने की आवश्यकता है ताकि वे अपनी कंपनी और कर्मचारियों के बढ़ने के साथ–साथ मानव संसाधन मुद्दों से निपटने के लिए तैयार रहें। इस पेपर का उद्देश्य एचआरएम में चुनौतियों का अध्ययन करना, चुनौतियों से निपटने के उपाय सुझाना और एचआरएम में उभरती चुनौतियों को उजागर करना है।

मुख्य शब्द – मानव संसाधन प्रबंधन, चुनौतियाँ, कर्मचारी, व्यवसाय।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-23183